



राजस्थान

सीनियर सैकण्डरी स्तर

सामान्य पात्रता परीक्षा (CET)

भाग - 4

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी



विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संज्ञा	1
2	सर्वनाम	3
3	विशेषण	5
4	क्रिया	8
5	अव्यय एवं अविकारी शब्द	11
6	संधि	15
7	समास	27
8	उपसर्ग	37
9	प्रत्यय	41
10	शब्द युग्म	46
11	वाक्य शुद्धि	54
12	वर्तनी शुद्धि	58
13	अनेकार्थी शब्द	63
14	विलोम शब्द	67
15	पर्यायवाची शब्द	73
16	वाक्य के एक शब्द	78
17	मुहावरे	86
18	लोकोक्तियाँ	94
19	पारिभाषिक शब्दावली	101
20	पत्र लेखन	113
21	Tense (काल)	130
22	Article (लेख)	137
23	Voice (वाच्य)	144

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Narration (कथन)	151
25	Preposition (उपसर्ग)	158
26	Important Synonyms and Antonyms (विलोम और पर्यायवाची शब्द)	172
27	One Word Substitution (एक शब्द प्रतिस्थापन)	180
28	Reading Comprehension (अपठित गद्यांश)	185
29	Letter Writing (पत्र लेखन)	196

1 CHAPTER

संज्ञा



- वे विकारी शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था, गुण या दशा के नाम का बोध करते हों संज्ञा कहलाते हैं।
- संज्ञा शब्द दो शब्दों **सम् + ज्ञा** से मिलकर बना है अर्थात् वह प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) जिसका कोई नाम है वह संज्ञा है।

संज्ञा के प्रकार

- संज्ञा के मूलतः 3 भेद /प्रकार हैं। जो व्युत्पत्ति के आधार पर हैं। परन्तु दो अन्य भेद अर्थ के आधार पर भी माने गए हैं।



व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के प्रकार

- व्यक्तिवाचक संज्ञा** : जिन संज्ञा शब्दों से किसी एक विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध हो, उन्हें 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं।
उदाहरण : अभिषेक, जयपुर, रमा, रहीम, अरावली, समुद्रगुप्त, गंगा, कामायनी, सुशील आदि।
- जातिवाचक संज्ञा** : जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की सम्पूर्ण जाति, वर्ग अथवा समुदाय का बोध हो, उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। इसमें मुख्यतः समूहवाचक शब्द आते हैं।
उदाहरण : पुरुष, शहर, पशु, मुनष्य, सेना, पर्वत, सभा, गाय, डॉक्टर, नगर, बालक, लडकी, आदमी, दोस्त, पुस्तक, पहाड़, लड़का, जुलाहा, मंत्री, बहन, लेखक आदि।

- भाववाचक संज्ञा** : जिन संज्ञा शब्दों से प्राणियों और वस्तुओं के गुण-दोष, धर्म, अवस्था, भाव और व्यापार आदि का बोध हो, उन्हें 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं।

उदाहरण : अच्छाई, मिठास, गर्मी, बुढ़ापा, सुन्दरता, नारीत्व, चतुरता, बचपन, दाम, क्रोध, गर्व, दौड़, अनुशासन इत्यादि।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण

- भाववाचक संज्ञा का निर्माण 5 प्रकार से किया जा सकता है।

1. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा

- 'ता' प्रत्यय: मानव-मानवता, मित्र-मित्रता, प्रभु-प्रभुता, पशु-पशुता।
- त्व प्रत्यय : पशु-पशुत्व, मनुष्य-मनुष्यत्व, कवि-कवित्व, गुरु-गुरुत्व।
- पन : लड़का-लड़कपन, बच्चा-बचपन।
- अ : शिशु-शैशव, गुरु-गौरव, विभु-वैभव।
- इ : भक्त-भक्ति।
- ई : नौकर-नौकरी, चोर-चोरी।
- आपा : बूढ़ा-बुढ़ापा, बहन-बहनापा।

2. सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा :

- त्व : अपना - अपनत्व, निज निजत्व, स्व-स्वत्व।
- पन : अपना - अपनापन, पराया-परायापन।
- कार : अहं - अहंकार।
- स्व : सर्व - सर्वस्व।

3. विशेषण से भाववाचक संज्ञा :

- आई : साफ-सफाई, अच्छा अच्छाई, बुरा-बुराई।
- आस : खट्टा-खट्टास, मीठा-मिठास।
- ता : उदार-उदारता, वीर वीरता, सरल-सरलता।
- य : मधुर-माधुर्य, सुन्दर-सौन्दर्य, स्वस्थ-स्वास्थ्य।
- पन : खट्टा-खट्टापन, पीला-पीलापन।
- त्व : वीर-वीरत्व।
- ई : लाल लाली।

4. क्रिया से भाव-वाचक संज्ञा :

- (i) अ: खेलना-खेल, लूटना लूट, जीतना-जीत।
- (ii) ई: हँसना-हँसी।
- (iii) आई: चढ़ना चढ़ाई, पढ़ना-पढ़ाई, लिखना-लिखाई।
- (iv) आवट: आवट-बनाना-बनावट, थकना-थकावट, लिखना-लिखावट।
- (v) आव : चुनना-चुनाव।
- (vi) आहट: घबराना-घबराहट, गुनगुनाना-गुनगुनाहट ।
- (vii) उडना : उड़ान।
- (viii) न : लेना-देना लेन-देन, खाना-खान।

5. अव्यय से भाववाचक संज्ञा

- (i) ई : भीतर-भीतरी, ऊपर, ऊपरी दूर-दूरी।
- (ii) य : समीप सामीप्य ।

(iii) इक : परस्पर -पारस्परिक, व्यवहार - व्यावहारिक ।

(iv) ता : निकट निकटता, शीघ्र शीघ्रता।

अर्थ के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **समूहवाचक संज्ञा** : जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे – सभा, परिवार, कक्षा, दल, गिरोह, संघ, गुच्छा, पुंज, ढेर।
2. **द्रव्य वाचक संज्ञा**: जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध होता है जिसे हम नाप – तौल सकते हैं लेकिन गिन नहीं सकते उन्हें द्रव्य वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – दूध, पानी, पेट्रोल, सोना, लोहा, कोयला, लकड़ी, कागज, चीनी, आटा, घास।

क्या आप जानते हैं?

- जब कभी द्रव्यमान संज्ञा शब्द बहुवचन के रूप में द्रव्य के प्रकारों का बोध कराता है, तब वह जातिवाचक संज्ञा बन जाता है। जैसे - यह फर्नीचर कई प्रकार के लकड़ियों से बना है।
- जब समूहवाचक संज्ञा बहुत सी समूह ईकाइयों को प्रकट करता है, तब बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जैसे दोनों सेनाएँ आपस में जमकर लड़ी।
- जब कभी भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं, तब वे जातिवाचक संज्ञा बन जाते हैं। जैसे बुराईयों से बचकर रहो।
- कुछ भाववाचक शब्द मूल शब्द हैं। जैसे प्रेम, घृणा, क्रोध आदि।
- अधिकांश भाववाचक शब्द यौगिक होते हैं -गरीब-गरीबी। लड़का-लड़कपन
- भाववाचक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय और क्रिया शब्दों के अंत में त्व, ता, वन, पा, आस, आई, वट, हट इत्यादि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती हैं। जैसे मित्र-मित्रता, अपना-अपनत्व, लम्बा-लम्बाई आदि।



2 CHAPTER

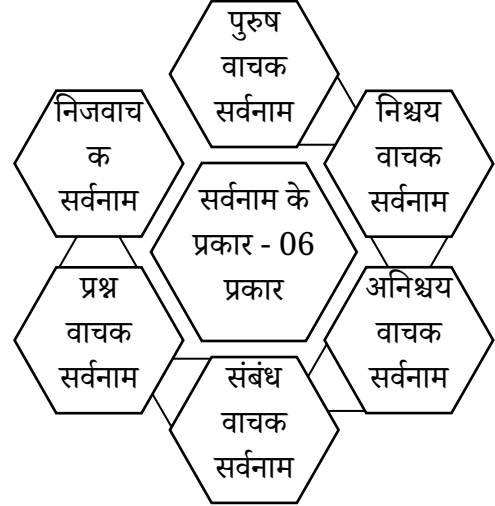
सर्वनाम



- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- भाषा में सौन्दर्य, संक्षिप्तता, सरलता एवं पुनरुक्ति दोष से बचने व दूर करने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है 'सब का नाम'। इससे वाक्य सहज एवं सरल हो जाता है।

1. **पुरुष वाचक सर्वनाम** – जिन शब्दों का प्रयोग कहने वाले (वक्ता), सुनने वाले (श्रोता) व अन्य जिसके विषय में कहा जाए के स्थान पर किया जाता है, उन्हें पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं।

पुरुष वाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं :



पुरुष वाचक सर्वनाम		
उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला व्यक्ति स्वयं के लिए करता है।	वे सर्वनाम शब्द जो श्रोता को संबोधित करने में प्रयोग किये जाए ये सर्वनाम शब्द सुनने वाले के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं।	बोलने व सुनने वाले व्यक्ति के द्वारा किसी अन्य के बारे में बात की जाए या कुछ लिखा जाए, उनके नाम के बदले में प्रयुक्त होनेवाले सर्वनाम अन्य पुरुष सर्वनाम कहलाते हैं।
मैं, हम, मुझे, मेरा, हमारा, हमें आदि।	तू, तुम, तुझे तुम्हें तेरा, आप, आपका, आपको आदि।	वह, वे, उन्हें, उसे, इसे, उसका इसका आदि।

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम** – जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चित संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

- ✓ इसके मुख्य दो प्रयोग हैं :
 - निकट की वस्तुओं के लिए - यह, ये।
 - दूर की वस्तुओं के लिए - वह, वे।

3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** – जिस सर्वनाम से किसी ऐसे व्यक्ति या पदार्थ का बोध होता हो जिसके विषय में निश्चित सूचना नहीं मिलती तथा अनिश्चितता की स्थिति बनी रहती है, उसे अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं।

- जैसे - कुछ, कोई।
- ✓ 'कोई' सर्वनाम का प्रयोग प्रायः प्राणी वाचक सर्वनाम के लिए होता है, जैसे - कोई उसे बुला रहा है।

✓ 'कुछ' सर्वनाम का प्रयोग वस्तु के लिए होता है, जैसे - पानी में कुछ है, घी में कुछ मिला है।

4. **संबंधवाचक सर्वनाम** – दो उप वाक्यों के बीच में प्रयुक्त होकर एक उप वाक्य की संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उप वाक्य के साथ दर्शाने वाला सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाता है, अर्थात् दो पृथक – पृथक बातों के मध्य सम्बन्ध व्यक्त करने वाले शब्दों को संबंधवाचक सर्वनाम कहा जाता है जैसे - जो, जिसे, जिसका, जिसको।

उदाहरणार्थ – जो सोएगा, सो खोएगा।

जिसकी लाठी उसकी भैंस।

जो सत्य बोलता है, वह नहीं डरता।

5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- क्या, किससे, कौन।

उदाहरणार्थ – वहाँ दरवाजे पर कौन खड़ा है?

कल तुम किससे बात कर रहे थे?

आज तुम्हें क्या चाहिए?

6. **निज वाचक सर्वनाम** – ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं, निज वाचक कहलाते हैं।

जैसे - आप, अपना, स्वयं, खुद आदि।

उदाहरणार्थ – मैं अपनी पुस्तक पढ़ रहा हूँ।

आप अपने घर कब जा रहे हैं?

मैं अपना खाना बना रहा हूँ।

सर्वनाम शब्दों के प्रयोग सम्बन्धी निर्देश

- सर्वनामों का रूप परिवर्तन पुरुष, वचन तथा कारक के अनुसार ही होता है, लिंग भेद के आधार पर नहीं।
- उत्तम पुरुष और मध्यम पुरुष बहुवचन रूप वाले सर्वनाम एक व्यक्ति के लिए भी प्रयोग किए जाते हैं, जैसे - मैं आऊँगा अर्थात् हम आएँगे। तू जाएगा अर्थात् तुम जाओगे।
- अन्य पुरुष वाचक बहुवचन रूप का आदर सूचक होने के कारण एक व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है, जैसे - गाँधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वे कई साल दिल्ली में रहे। या आप कई साल दिल्ली में रहे।
- संज्ञा में विभक्ति उसके साथ नहीं जुड़ती, जबकि सर्वनामों में विभक्तियाँ उन्हीं के साथ जुड़ी रहती हैं, जैसे - उसने, उसको, जिसका, इत्यादि। जैसे –
 - ✓ संज्ञा - राधा ने
 - ✓ सर्वनाम - उसने

➤ अभिमान व्यक्त करने या अधिकार व्यक्त करने के लिए भी 'मैं' के स्थान पर 'हम' अथवा 'हमारा' का प्रयोग किया जाता है, जैसे-

✓ 'हम' कभी भी किसी से हारे नहीं। (अभिमान)

✓ हमारा यह काम तुम्हें जरूर करना है। (अधिकार)

➤ अनिश्चय वाचक सर्वनाम 'कुछ' (एकवचन) संख्या एवं परिणाम दोनों का बोध कराते हैं, जैसे-

✓ आपके यहाँ लहसुन होता है, कुछ हमारे यहाँ भी भेज दिया कीजिए। (परिणाम वाचक)

✓ आपके घर इतने अतिथि आए हैं, कुछ को हमारे यहाँ भेज दीजिए। (संख्यावाचक)

➤ प्रश्नवाचक सर्वनाम 'कौन' का प्रयोग मनुष्यों तथा क्या का प्रयोग कीट-पतंगों, पशुओं और जड़ पदार्थों के लिए होता है, जैसे - अन्दर कौन बैठा है? इस डिब्बे में क्या है?

➤ 'कुछ' और 'कोई' का बहुवचन रूप कुछ और किन्हीं होता है। निर्जीव वस्तुओं और कीड़े-मकोड़ों के लिए 'कुछ' का प्रयोग होता है। सजीव वस्तुओं के लिए 'कोई' और 'किन्हीं' शब्दों का प्रयोग होता है।

➤ प्रायः सभी सर्वनाम रूपों के साथ 'ही' अव्यय जोड़ा जा सकता है।

सर्वनाम पदबंध

➤ जो पदबंध वाक्य में सर्वनाम पदों का कार्य करते हैं, उन्हें सर्वनाम पदबंध कहते हैं।

जैसे -

✓ चोट खाए तुम भला क्या खेलेगो।

✓ मेरे रिश्तेदार में से कोई समय पर नहीं पहुँचा।



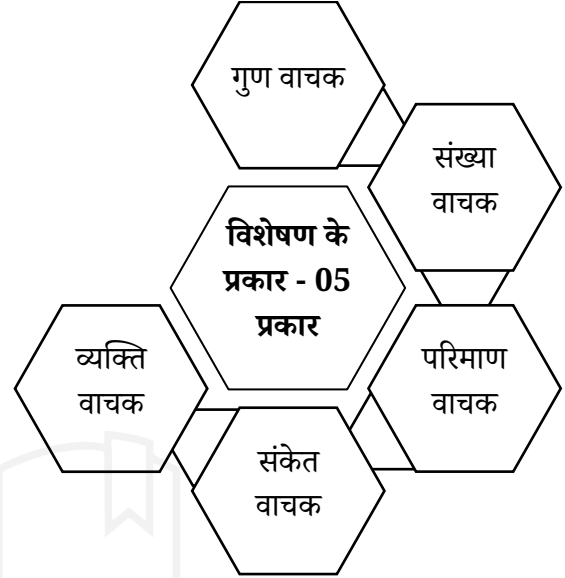
- वे शब्द, जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें **विशेषण** कहते हैं।
- अतः विशेषता बताने वाले शब्दों को '**विशेषण**' कहा जाता है तथा विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताता है उसे '**विशेष्य**' कहते हैं।

विशेषण के कार्य

विशेषण के निम्नलिखित प्रमुख कार्य है -

- **विशेषण, संज्ञा और सर्वनाम के गुण-दोष को बतलाता है। जैसे -**
 - ✓ राधा पढ़ने में तेज है। (गुण का बोध)
 - ✓ लेकिन, वह डरपोक है। (दोष का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की निश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे -**
 - ✓ दो लड़कें आये थे। (निश्चित संख्या का बोध)
 - ✓ दो लिटर दूध दो। (निश्चित परिमाण का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की अनिश्चित संख्या या परिमाण बतलाता है। जैसे -**
 - ✓ कुछ लड़कियाँ आयी हैं। (अनिश्चित संख्या का बोध)
 - ✓ अधिक भोजन मत करो। (अनिश्चित परिमाण का बोध)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम के क्षेत्र को सीमित करता है। जैसे -**
 - ✓ लाल रुमाल लाओ। (सिर्फ लाल - काला, पीला नहीं)
 - ✓ उस कुत्ते को खिलाओ। (किसी खास कुत्ते को, दूसरे को नहीं)
- **यह संज्ञा और सर्वनाम की दशा, अवस्था आदि बतलाता है। जैसे-**
 - ✓ तुम बीमार हो। (दशा का बोध)
 - ✓ मैं जवान हूँ। (अवस्था का बोध)

विशेषण के प्रकार



नोट : विशेषण के प्रकारों में विद्वानों में मतभेद रहता है, कुछ जगह विशेषण के पाँच प्रकार बताएँ गए हैं और कुछ जगह पर 04 प्रकार बताएँ गए हैं। **एनसीईआरटी** के आधार पर विशेषण के 04 प्रकार होते हैं - गुणवाचक, संख्यावाचक, परिणामवाचक, सर्वनामिक विशेषण। **राजस्थान शिक्षा बोर्ड** की पुस्तकों में विशेषण के 05 प्रकार बताएँ गए हैं।

1. **गुणवाचक विशेषण :** किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार, स्वभाव, दशा आदि का बोध कराने वाले शब्द गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।
जैसे- काला, पुराना, भला, छोटा, मीठा, देशी, पापी, धार्मिक आदि।
2. **संख्यावाचक विशेषण :** किसी संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित, अनिश्चित संख्या, क्रम या गणना का बोध कराने वाले शब्दों को संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

संख्या वाचक विशेषण

निश्चित संख्या वाचक विशेषण

जिस विशेषण शब्द से निश्चित संख्या का बोध होता है, निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

गणनावाचक

क्रमवाचक

आवृत्तिवाचक

समुदाय वाचक

एक, दो, तीन

पहला, दूसरा

दुगुना, चौगुना

दोनों, तीनों, चारों

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

जिस विशेषण शब्द से अनिश्चित संख्या का बोध हो, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

कई, सब, कुछ, अनेक आदि।

3. परिमाण वाचक विशेषण : वे विशेषण, जो किसी पदार्थ की निश्चित या अनिश्चित मात्रा, परिमाण, नाप या तौल आदि का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।

✓ इसके दो उपभेद किए जा सकते हैं

- **निश्चित परिमाण वाचक** – दो मीटर, पाँच किलो, सात लीटर।
- **अनिश्चित परिमाण वाचक** – थोड़ा, बहुत, कम, ज्यादा, अधिक, जरा-सा, सब आदि।

4. संकेतवाचक विशेषण : वे शब्द जो सर्वनाम हैं किन्तु विशेषण के रूप में प्रयुक्त होकर किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे

- (i) इस गेंद को मत फेंको।
- (ii) उस पुस्तक को पढ़ो।
- (iii) वह कौन गा रही है?

वाक्यों में 'इस', उस, वह आदि शब्द संकेतवाचक विशेषण हैं।

5. व्यक्तिवाचक विशेषण : वे शब्द, जो मूल रूप से व्यक्तिवाचक संज्ञाओं से बनकर अन्य संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे – जोधपुरी जूती, बनारसी साड़ी, कश्मीरी सेब, बीकानेरी भुजिए। वाक्यों में जोधपुरी, बनारसी, कश्मीरी, बीकानेरी शब्द व्यक्तिवाचक विशेषण हैं।

विशेष : कतिपय विद्वान् एक और प्रकार – 'विभाग वाचक विशेषण' का भी उल्लेख करते हैं। जैसे- प्रत्येक हर एक आदि।

प्रविशेषण

- ऐसे शब्द जो विशेषण की विशेषता बतलाते हैं, प्रविशेषण कहलाते हैं।
- प्रविशेषण सामान्यतः विशेषण के गुणों में वृद्धि लाता है।
जैसे : थोड़ा, बहुत, अति, अत्यंत, अधिक, अत्यधिक, बड़ा, बेहद, महा, घोर, ठीक, बिल्कुल, लगभग आदि।

दूध मीठा है।	मीठा - संज्ञा की विशेषता = विशेषण
दूध थोड़ा मीठा है	थोड़ा - विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण
वह पाँच बजे आया।	पाँच - संज्ञा की विशेषता = विशेषण
वह ठीक पाँच बजे आया।	ठीक - विशेषण की विशेषता = प्रविशेषण
स्पष्ट है कि उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त 'थोड़ा' एवं 'ठीक' शब्द प्रविशेषण हैं, क्योंकि ये विशेषण की विशेषता बतलाते हैं।	

विशेषण की रचना

- कुछ शब्द मूल रूप में विशेषण ही होते हैं किन्तु कुछ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया या अव्यय शब्दों के साथ प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाए जाते हैं, जैसे-

संज्ञा से विशेषण	संज्ञा + प्रत्यय = विशेषण	रंग + ईन = रंगीन राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय
सर्वनाम से विशेषण	सर्वनाम + प्रत्यय = विशेषण	मैं + एरा = मेरा तुम + हारा = तुम्हारा
क्रिया से विशेषण	क्रिया + प्रत्यय = विशेषण	वंदन + ईय = वंदनीय लूट + एरा = लुटेरा
अव्यय से विशेषण	अव्यय + प्रत्यय = विशेषण	बाहर + ई = बाहरी पीछे + ला = पिछला

विशेषण की अवस्थाएँ

➤ विशेषण की तुलनात्मक स्थिति को अवस्था कहते हैं। अवस्था के तीन प्रकार माने गये हैं-

1. **मूलावस्था** – वह अवस्था जिसमें किसी संज्ञा या सर्वनाम की सामान्य स्थिति का बोध होता है।

जैसे- रहीम अच्छा लड़का है।

2. **उत्तरावस्था** – वह अवस्था जिसमें दो संज्ञा या सर्वनाम की तुलना की जाती है।

जैसे- अशोक रहीम से अच्छा है। या प्रशान्त अभिषेक से श्रेष्ठतर है।

3. **उत्तमावस्था** – जिसमें दो से अधिक संज्ञा या सर्वनामों की तुलना करके, एक को सबसे अच्छा या बुरा बतलाया जाता है वहाँ उत्तमावस्था होती है।

जैसे - अकबर सबसे अच्छा है। रजिया कक्षामें श्रेष्ठतम छात्रा है।

अवस्था परिवर्तन:

➤ मूलावस्था के शब्दों में 'तर' तथा तम प्रत्यय लगा कर या शब्द के पूर्व से अधिक, या सबसे अधिक शब्दों का प्रयोग कर क्रमशः उत्तरावस्था एवं उत्तमावस्था में प्रयुक्त किया जाता है, जैसे –

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
अच्छा	से अच्छा	सबसे अच्छा
ऊँचा	से अधिक ऊँचा	सबसे ऊँचा

विशेष्य - विशेषण और विधेय-विशेषण

➤ प्रयोग की दृष्टि से विशेषण के दो भेद है

1. विशेष्य-विशेषण और
2. विधेय-विशेषण

➤ **विशेष्य (संज्ञा/सर्वनाम)** के पहले आए विशेषण को **विशेष्य-विशेषण** तथा विशेष्य के बाद आए विशेषण को **विधेय-विशेषण** कहते हैं। जैसे-

- ✓ वह लम्बा लड़का है। (लम्बा विशेष्य-विशेषण)
- ✓ वह लड़का लम्बा है। (लम्बा विधेय-विशेषण)

नोट - यहाँ दो बातें ध्यान देने योग्य हैं

1. विशेषण के लिंग एवं वचन विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार होते हैं, चाहे विशेषण विशेष्य के पहले आए या बाद में। जैसे -

- ✓ वह अच्छा लड़का है। (अच्छा, लड़का - दोनों एकवचन, पुल्लिंग)
- ✓ वह लड़का अच्छा है। (लड़का, अच्छा - दोनों एकवचन, पुल्लिंग)
- ✓ वह अच्छी लड़की है। (अच्छी, लड़की - दोनों एकवचन, स्त्रीलिंग)
- ✓ वे अच्छे लड़के हैं। (अच्छे, लड़के - दोनों बहुवचन, पुल्लिंग)

स्पष्ट है कि विशेषण के लिंग एवं वचन, विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार आये हैं।

2. अगर एक ही विशेषण के अनेक विशेष्य हों, तो विशेषण के लिंग और वचन प्रथम विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार होंगे। जैसे -

- ✓ उजला कुरता, टोपी और जूते लाओ। (प्रथम विशेष्य कुरता - पुल्लिंग, अतः - उजला)
- ✓ उजली टोपी, कुरता और जूते लाओ। (प्रथम विशेष्य टोपी - स्त्रीलिंग, अतः - उजली)
- ✓ उजले जूते, कुरता और टोपी लाओ। (प्रथम विशेष्य जूते - एकारांत पुल्लिंग, अतः - उजले)

स्पष्ट है कि यहाँ एक विशेषण के अनेक विशेष्य हैं, लेकिन विशेषण के लिंग एवं वचन प्रथम विशेष्य के लिंग एवं वचन के अनुसार ही आये हैं।

सरल वाक्यों में विशेषण के स्थान

➤ सरल वाक्यों में विशेषण प्रायः संज्ञा के पहले आता है। जैसे -

- ✓ वह अच्छा लड़का है। (संज्ञा के पहले विशेषण)
- ✓ वह अच्छी लड़की है। (संज्ञा के पहले विशेषण)

➤ सार्वनामिक विशेषण भी संज्ञा के पहले आता है। जैसे -

- ✓ यह फूल देखो। (यह - विशेषण)
- ✓ वह लड़का आया है (वह - विशेषण)

➤ सरल वाक्यों में संज्ञा या सर्वनाम के बाद भी विशेषण आता है। जैसे -

- ✓ सोहन नटखट है। (संज्ञा के बाद विशेषण)
- ✓ वह बदमाश कहाँ गया ? (सर्वनाम के बाद विशेषण)

4

CHAPTER

क्रिया



- वे शब्द या शब्द समूह जिनसे वाक्य में किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं।
- संस्कृत में क्रिया रूप को धातु कहते हैं। बिना क्रिया या धातु के किसी वाक्य की पूर्णता संभव नहीं है।
जैसे – उठना, चलना, पढ़ना, सोना आदि।

क्रिया के भेद

क्रिया का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जा सकता है जो इस प्रकार है –

कर्म के आधार पर

- क्रिया शब्द का फल किस पर पड़ रहा है, वह किसे प्रभावित कर रहा है आदि आधारों पर किया जाने वाला भेद इसके अंतर्गत आता है।

- इस आधार पर क्रिया के मुख्यतः दो भेद हैं-

1. सकर्मक क्रिया : जिस क्रिया का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।

- ✓ 'स' का प्रयोग 'सहित' के अर्थ में होता है, इसलिए सकर्मक का अर्थ हुआ - कर्म के साथ।
- ✓ अतः इस क्रिया में कर्म की आवश्यकता होती है।

जैसे –

- ✓ बच्चा चित्र बना रहा है।
- ✓ गीता सितार बजा रही है।
- ✓ मिठाई देखकर बच्चे ललचाते हैं।
- ✓ बच्चा फल तोड़ रहा है।

सकर्मक क्रिया

एक कर्मक

जिस वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो, उसे एक कर्मक क्रिया कहते हैं।

माँ पढ़ रही है।' यहाँ माँ के द्वारा एक ही कर्म (पढ़ना) हो रहा है।

महर्षि वेदव्यास ने जयसंहिता लिखी।

लड़का पुस्तक पढ़ता है।

द्विकर्मक क्रिया

जब वाक्य में क्रिया के साथ दो कर्म प्रयुक्त हुए हों तो उसे द्विकर्मक क्रिया कहते हैं।

अध्यापक जी छात्रों को भूगोल पढ़ा रहे हैं। इस वाक्य में 'पढ़ा रहे हैं' क्रिया के साथ 'छात्रों' एवम् 'भूगोल' दो कर्म प्रयुक्त हुए हैं। अतः 'पढ़ा रहे हैं' द्विकर्मक क्रिया है।

सोहन ने मोहन को थप्पड़ मारा।

नोट: सकर्मक क्रिया के दो अन्य भेद इस प्रकार भी है –

1. पूर्ण सकर्मक क्रिया – जब किसी क्रिया को केवल एक कर्म की आवश्यकता हो व किसी पूरक शब्द की आवश्यकता न हो, वह कर्म सहित पूर्ण अर्थ देती हो, तो वह पूर्ण सकर्मक क्रिया कहलाती है।
जैसे - उसने चिट्ठी लिखी।

2. अपूर्ण सकर्मक क्रिया – ऐसी क्रिया जिसे कर्म की आवश्यकता होती है, परंतु उसका अर्थ तब तक पूर्ण नहीं होता जब तक कि उसमें कोई पूरक शब्द न जोड़ा जाए, उसे अपूर्ण सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे - उसने उसे डाकघर भेजा।

2. **अकर्मक क्रिया** : वे क्रियाएँ जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता तथा क्रिया का प्रभाव वाक्य में प्रयुक्त कर्ता पर ही पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे -

- ✓ कुत्ता भौंकता है।
- ✓ कविता हँसती है।
- ✓ टीना सोती है।

अकर्मक क्रिया

अपूर्ण अकर्मक

ऐसी क्रिया जिसमें कर्ता के विषय में पूर्ण विधान के लिए किसी संज्ञा या सर्वनाम जैसे पूरक शब्दों की आवश्यकता होती है, अपूर्ण अकर्मक कहलाती है। यहाँ वाक्य में पूरा भाव अन्य शब्दों के सहारे व्यक्त होता है।

जैसे - वह कुर्सी पर बैठा है।

पूर्ण अकर्मक

जब कोई क्रिया अपने आप में पूर्ण अर्थ देती है और उसे किसी अन्य पूरक शब्दों की आवश्यकता नहीं होती तो उसे पूर्ण अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - राम हँस रहा है।

अकर्मक क्रिया से सकर्मक क्रिया का निर्माण

➤ भाववाचक संज्ञा के रूप में अकर्मक क्रिया का प्रयोग करके सकर्मक क्रिया बनाई जा सकती है।

जैसे - बढ़ना से-बढ़त, देवेन्द्र की आय में काफी बढ़त हो गई है।

➤ कुछ अकर्मक क्रियाओं के 'ट' को 'ड़' करने पर सकर्मक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे -

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
फटना	फाड़ना
छूटना	छोड़ना

➤ दो अक्षरों वाली अकर्मक धातु के पहले या दूसरे स्वर को तथा तीन अक्षर वाली धातु के दूसरे अथवा तीसरे स्वर को दीर्घ करने से अकर्मक क्रिया सकर्मक बन जाती है, जैसे -

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
पकड़ना	पकड़ाना
मिलना	मिलाना

➤ अकर्मक क्रिया के 'इ' को 'ए' और 'उ' को 'ओ' कर देने से सकर्मक क्रिया बनती है, जैसे -

अकर्मक क्रियाएँ	सकर्मक क्रियाएँ
तुलना	तोलना
खुलना	खोलना

प्रयोग तथा संरचना के आधार पर क्रिया के भेद:

➤ वाक्य में क्रियाओं का प्रयोग कहाँ किया जा रहा है, किस रूप में किया जा रहा है आदि आधारों पर क्रिया के निम्न भेद होते हैं-

1. **सामान्य क्रिया** - जब किसी वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग हुआ हो, उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।

जैसे - महेन्द्र जाता है। सन्तोष आई।

2. **संयुक्त क्रिया** - जो क्रिया दो या दो से अधिक भिन्नार्थक क्रियाओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।

जैसे -

- ✓ जया ने खाना बना लिया।
- ✓ हेमराज ने खाना खा लिया।
- ✓ घनश्याम रो चुका।
- ✓ वह घर पहुँच गया।

3. **प्रेरणार्थक क्रिया** - वे क्रियाएँ, जिन्हें कर्ता स्वयं न करके दूसरों को क्रिया करने के लिए प्रेरित करता है, उन क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं

जैसे -

- ✓ दुष्यन्त हेमन्त से पत्र लिखवाता है।
- ✓ कविता सविता से पत्र पढ़वाती है।
- ✓ अध्यापिका छात्रों से गृहकार्य करवाती है।
- ✓ शिक्षक ने छात्रों से पुस्तक पढ़वाई।

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
कटना	काटना	कटवाना
सोना	सुलाना	सुलावना
उठ	उठाना	उठवाना

उड़	उड़ाना	उड़वाना
पढ़	पढ़ाना	पढ़वाना
सुन	सुनाना	सुनवाना
चल	चलाना	चलवाना
करना	कराना	करवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
जागना	जागाना	जागवाना

4. **पूर्व कालिक क्रिया:** जब किसी वाक्य में दो क्रियाएँ प्रयुक्त हुई हों तथा उनमें से एक क्रिया, दूसरी क्रिया से पहले सम्पन्न हुई हो तो पहले सम्पन्न होने वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है। किसी मूल धातु के साथ 'कर' या 'करके' लगाने से पूर्व कालिक क्रिया बनती है।

संज्ञा	नामधातु	सर्वनाम शब्द	नामधातु क्रिया	विशेषण शब्द	नामधातु क्रिया	अनुकरणवाची शब्द	नामधातु क्रिया
हाथ	हथिया	अपना	अपनाना	साठ	सठियाना	थप-थप	थपथपाना
शर्म	शर्माना			तोतला	तुतलाना	थर-थर	थरथराना
बात	बतियाना			नरम	नरमाना	कँप-कँप	कँपकँपाना
लोभ	लुभाना			गरम	गरमाना		

6. **कृदन्त क्रिया** – वे क्रिया पद जो क्रिया शब्दों के साथ प्रत्यय लगने पर बनते हैं, उन्हें कृदन्त क्रिया पद कहते हैं।
जैसे - चल से चलना, चलता, चलकर। लिख से लिखना, लिखता, लिखकर।
7. **सजातीय क्रिया** – वे क्रियाएँ, जहाँ कर्म तथा क्रिया दोनों एक ही धातु से बनकर साथ में प्रयुक्त होते हो, सजातीय क्रियाएँ कहलाती हैं।
जैसे - भारत ने लड़ाई लड़ी।
8. **सहायक क्रिया** – किसी भी वाक्य में मूल क्रिया की सहायता करने वाले पद को सहायक क्रिया कहते हैं।
जैसे - अरविन्द पढ़ता है। भानु ने अपनी पुस्तक मेज पर रख दी है।
9. **योजक क्रिया** - एक विशेष प्रकार की क्रिया है जो वाक्य में किसी संज्ञा या विशेषण को कर्ता से जोड़ती है।
जैसे - चूड़ी अच्छी थी।
10. **यौगिक क्रिया** - दो या दो से अधिक धातुओं के संयोग से यौगिक क्रिया बनती है।
जैसे - चलना से चलाना, खाना से खिलाना, पढ़ना और राह से पढ़ता रहा, जा और गिरा से जा गिरा आदि।

जैसे-

- ✓ धर्मेन्द्र पढ़कर सो गया।
- ✓ राधा ने स्नान करके भोजन किया।
- ✓ वह लेटकर खाता है।
- ✓ भीम दुर्योधन की छाती पर चढ़ बैठा।
- ✓ पंडित जी हवन करा कर कथा कह रहे हैं।

5. **नाम धातु क्रिया** – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द जब क्रिया धातु की तरह प्रयुक्त होते हैं, उन्हें 'नाम धातु' क्रिया कहते हैं और इन नाम धातु शब्दों में जब प्रत्यय लगाकर क्रिया का निर्माण किया जाता है तब वे शब्द 'नाम धातु क्रिया' कहलाते हैं,

जैसे –

- ✓ नरेश ने सुरेश का कमरा हथिया लिया।
- ✓ उसने मेरी पूरी संपत्ति हथिया ली।
- ✓ राम ने किसान की ज़मीन हथिया ली।

काल के आधार पर क्रिया के भेद:

काल के अनुसार क्रिया तीन प्रकार की होती है :-

1. **भूतकालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा बीते समय में (भूतकाल में) कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है।
जैसे - सरोज गयी। सलीम पुस्तक पढ़ रहा था।
2. **वर्तमान कालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा वर्तमान समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता है। जैसे – विमला खाना बना रही है।
जैसे - कमला गाना गाती है।
3. **भविष्यत् कालिक क्रिया** – क्रिया का वह रूप, जिसके द्वारा आने वाले समय में कार्य के सम्पन्न होने का बोध होता हो, भविष्य कालिक क्रिया कहलाती है।
जैसे – नीलम कल जोधपुर जायेगी। अशोक पत्र लिखेगा।

22

CHAPTER

Article

- The words “a” or “an” and “the” are called articles. They come before nouns.
- जो शब्द किसी Noun के आगे लगकर sentence में उस Noun के महत्व को दर्शाते हैं, Articles कहलाते हैं।

Example

- (a) This is **a** chair. (b) Sita sang **a** song. (c) This is **an** umbrella.

Kind of Article

Indefinite Article

A/An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) Singular Noun से पूर्व किया जाता है।

an : यदि उस शब्द के प्रथम उच्चारण की ध्वनि (First sound of pronunciation) हिंदी वर्णमाला के स्वर (vowel) से उच्चारित है तो an का प्रयोग होगा।

a : यदि उस शब्द के प्रथम उच्चारण की ध्वनि (First sound of pronunciation) हिंदी वर्णमाला के व्यंजन (Constant) से उच्चारित है तो a का प्रयोग होगा।

Definite Article

निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है।

The is called the definite article, because it normally points out some particular person or thing.

Use of Article “a” and “an”

Rule 1: उच्चारण के आधार पर

- First sound of pronunciation हिंदी वर्णमाला के व्यंजन (consonant) से उच्चारित है, तो a का प्रयोग होगा।
- ऐसे शब्द (words) जिनका प्रथम अक्षर vowel हो व प्रारंभिक उच्चारण में vowel का उच्चारण देते हों, के आगे an का प्रयोग किया जाता है।
- ऐसे शब्द (words) जिनके प्रारंभिक उच्चारण में vowel का उच्चारण निकले, परंतु प्रथम अक्षर चाहे vowel भी न हो के आगे an का प्रयोग किया जाता है।
- ऐसे शब्द (words) जिनका प्रथम अक्षर चाहे vowel भी हो परंतु प्रारंभिक उच्चारण में वह vowel का उच्चारण न देता हो, के आगे a का प्रयोग किया जाता है। ऐसी singular noun से पहले भी a लगाया जाता है जो e या u या eu से आरंभ होती है और जिसका उच्चारण consonant 'य' की ध्वनि से होता है।



Example

a boy, a girl, a university (यूनिवर्सिटी → y sound), a one-rupee coin (वन → w sound), an orange, an umbrella, an hour, an MLA, an MBA, a European

- In **an** hour's time I will be back but now I have to go.
- Akbar became **an** heir to the throne at a young age of thirteen.
- An** interesting book 'A tale of two cities' was written by alexander Dumas.

Rule 2: Singular Countable noun से पूर्व A/An का प्रयोग किया जाता है। Countable का अर्थ है, जिसकी गिनती की जा सकती है।

Example

- A dog is a loyal companion, always ready to offer friendship and protection.
- An** orange is full of vitamin C, making it a healthy snack.

Rule 3:

1. यदि **Singular Countable Noun** के पहले **Adverb** या **Adjective** आता है तो **adverb** या **adjective** के पहले **a/an** का प्रयोग करते हैं।

- ✓ **Structure:** a/an + adjective/adverb + Singular Countable Noun

Example

- a. He has come out with **a** unique **proposal** for his friends.
b. The loss of jobs is regarded by some as **a** necessary **evil** in the fight against inflation.

2. यदि **adjective** या **adverb** के पहले **so** का है तो **a/an** का उपयोग **adjective/ adverb** के बाद करते हैं।

- ✓ **Structure:** So + adjective/adverb + a/an + Singular countable noun

Example

- a. She is so beautiful **a** girl to entertain you.
b. He is so intelligent **a** boy.

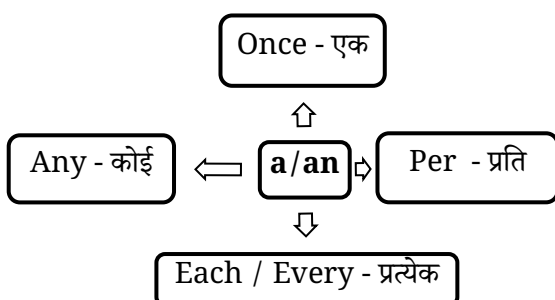
3. यदि **adjective** या **adverb** के पहले **very** का उपयोग हो तब **a/an** का प्रयोग **very** के पहले किया जाता है।

- ✓ **Structure:** a/an + Very + Adjective/Adverb + Singular Countable Noun

Example

- a. She lives in **a very beautiful house**.
b. I met **a very old man**.
c. He is **a very tall boy**.

Rule 4: यदि किसी वाक्य में **each/Every/Per** का उपयोग हो तो इन्हें **replace** करने के लिए **a/an** का उपयोग किया जाता है।



Example

- a. I have bought apples at 20 rupees **a** (Per) Kg
b. **A** (Every) student can solve these Questions.
c. I have not solved **a** (any) question in this book.
d. Everyone knows that **the** leopard is faster than any other animal.

Rule 5: यदि किसी वाक्य में **Singular Countable Noun** अपनी पूरी जाति या वर्ग (Class) को बताता है तो वहाँ **a/an** article का उपयोग होता है।

Example

- a. An elephant is a huge animal.
b. A dog is a loyal animal in the earth.

Rule 6: जब किसी वाक्य में **Verb, Noun** की तरह व्यवहार करती हैं तो उसके पहले **a/an** article का प्रयोग किया जाता है।

Example

- a. I go for **a walk** every morning.
b. He went for **a run** in the park.
c. Take **a look** at this picture.

Note: यदि वाक्य में **Subject** के स्थान पर **Verb** का उपयोग होता है और वह **noun** की तरह व्यवहार करती हैं तो वहाँ **a/an** का उपयोग नहीं होता है।

- a. Swimming is beneficial for health. (Swimming = subject (general activity) इसलिए कोई **article** नहीं)
b. **Reading** improves knowledge.
c. **Walking** keeps us fit.

Rule 7: कुछ **Unit** या इकाई, जिनका प्रयोग **Noun** को **Count** करने के लिए किया जाता है तो उनके पहले **a/an** का प्रयोग होता है।

- **Unit:** Million/Billion/Hundred/Thousand/ Dozen
➤ **Structure:** a/an + unit + plural noun

Example

- a. I have bought **a Dozen** Apples.

- b. I am giving you a hundred rupees to buy some dress.
- c. I have bought a dozen apples.
- d. There are a thousand students in the school.

Note: यदि unit या इकाई Plural Form में हैं तो इनके साथ a/an का प्रयोग नहीं होता है।

Rule 8: वाक्य में Singular Countable Noun के पहले यदि many/Rather/Such का प्रयोग होता है तो a/an का उपयोग निम्न प्रकार से होता है।

- **Structure:** Many/rather/Such/Quite + a/an + Singular countable noun

Example

- a. Many a **student** failed in the exam.
- b. It is rather a **difficult problem**.
- c. This is such a **beautiful place**.

Rule 9: Profession के पहले a/an का प्रयोग किया जाता है। जब किसी का काम/पेशा बताया जाता है, और noun singular countable है, तो a/an जरूर लगेगा।

- **Structure:** Subject + is/am/are + a/an + profession

Example

- a. He is a **teacher**.
- b. She is a **police officer**.
- c. She is an **artist**.

Use of "The" Article



Use of "The"	Category	Examples / Explanation
Geographical Region	Regions of the world	The Middle East, The Arctic
	Range / Mountain Series	The Himalayas, The Alps
	Sea / Ocean	The Arabian Sea, The Indian Ocean
	Desert / Plateau / Island	The Sahara Desert, The Deccan Plateau

	River / Bay / Lake / Gulf / Canal / Delta	The Ganga, The Bay of Bengal, The Suez Canal, The Nile Delta
	Planet / Group of Countries	The Earth, The United States
Normal Use	Body Parts	hit on the head, pain in the leg
	Musical Instruments	play the guitar, play the piano
	English Newspaper Names	The Times of India, The Hindu
	Committee / Organisation	The United Nations, The Red Cross
	Ordinals	the first, the second, the third
Historical	Dynasty	The Maurya Dynasty, The Gupta Dynasty
	Books	The Ramayana, The Mahabharata
	Battles / Events	The Battle of Panipat, The French Revolution
	Empire	The Mughal Empire
	Caste	The Kshatriyas, The Brahmins
Historical and Public Buildings	Famous buildings	The Taj Mahal, The Red Fort
Historical and Religious Books	Sacred texts	The Vedas, The Quran, The Bible
Sculpture	Statues	The Statue of Liberty

National Party	Political parties	The Indian National Congress
National and International Awards	Awards and honors	The Bharat Ratna, The Nobel Prize

Example

- a. The Himalaya Range
- b. The Vindhyan Chal Range
- c. The Atlantic
- d. The Pacific
- e. The Sahara Desert
- f. The Ganga
- g. The Bay of Bengal
- h. The Deccan Plateau
- i. The Earth
- j. The Caspian Sagar Lake
- k. The neck
- l. The Mouth
- m. The World trade Organization
- n. The Raghuram Rajan Committee
- o. The Nav Bharat Times
- p. The Hindu
- q. The First,
- r. The Last
- s. The Mourya
- t. The Aaine Akbari
- u. The battles of Panipat
- v. The Mughal empire
- w. The Ramayan
- x. The White House
- y. The Redfort
- z. The Sudra
- aa. The BJP
- bb. The Bharat Ratna

Rule 1: यदि Musical instrument, Singular Countable Noun की तरह व्यवहार करें तो वहाँ a/an का उपयोग होता है ।

Example

- a. I have bought **a** Piano (SCN).
- b. She purchased **a** violin.
- c. I saw **a** flute in the shop.

Rule 2: Invention या खोज के साथ “The” Article का उपयोग किया जाता है ।

Example

- a. **The telephone** is a useful invention.
- b. **The internet** connects the world.
- c. **The light bulb** was invented by Edison.

Note: लेकिन यदि किसी वाक्य में Invention, एक Singular Countable Noun की तरह व्यवहार करें तो वहाँ “a/an” article का प्रयोग होता है ।

Example

- a. I bought **a** computer.
- b. She purchased **a** telephone.
- c. He has **a** mobile phone.

Rule 3: Place Related Noun

1. वाक्य में यदि किसी Place (Country / State / Tehsil / Village) का नाम दिया गया हो तो इनके साथ कोई article का उपयोग नहीं होता है ।

Example

- a. India is big country.
- b. He lives in Rajasthan.

2. **Group of Countries:** यदि किसी country के पहले United/Union/Kingdom/Republic हो तो इसके पहले “The” Article का प्रयोग होता है ।

Example

- a. He lives in the United States.
- b. She went to the United Kingdom.
- c. The Republic of Korea is a developed nation.

3. यदि किसी place को Specific कर दिया जाए तो उसके साथ “the” Article का उपयोग किया जाता है।

Example

- a. The station is near my house.
- b. The City of Joy.
- c. Patna is the Newyork of India.

4. यदि किसी वाक्य में Place के साथ Place या Person का नाम दिया गया हो तो वहाँ कोई भी Article नहीं होता है ।

Example

- a. Delhi University
- b. the Gandhi Park

5. यदि किसी place का उपयोग Primary Work (जिस कार्य हेतु वह हैं) और Secondary Work (किसी अन्य कार्य हेतु वह स्थान प्रयुक्त होता हैं) के लिए होता हैं ।

- Primary Work की तरह use होने पर इनके साथ कोई Article नहीं होता हैं ।
- Secondary Work की तरह उसे होने पर वहाँ “The” Article का उपयोग होता हैं ।

Example

- I go to school daily for study. (Primary Work)
- I went to **the school** to meet the teacher. (Secondary Work)
- He went to **the hospital** to see his uncle. (Secondary Work)

Rule 3: Community/Nationality (समुदाय/राष्ट्रीयता) के साथ “The” Article का प्रयोग किया जाता हैं ।

Example

- The Indian
- The Punjabi
- The Gujrati
- The first European sailor to come in India in modern time was Vasco-di-Gama.

Note: यदि किसी वाक्य में राष्ट्रीयता (Nationality), Singular Countable Noun की तरह व्यवहार करें तो उसके पहले a/an का प्रयोग किया जाता हैं ।

➤ **Structure:** a/an + nationality + singular noun

Example

- He is **an** Indian.
- She is **a** British girl.
- He is **a** Gujarati trader.

Rule 4: Language/ Subject Related Noun

1. Language या Subject के साथ कोई article का प्रयोग नहीं किया जाता हैं ।

Example

- the English
- the Maths

2. यदि किसी Language के साथ “language या Translate” Word का उपयोग किया जाए तो “The” Article का प्रयोग किया जाता हैं ।

➤ **Structure:** the + language name + language/translation

Example

- The** Hindi language is very sweet.
- Translate this into **the** French language.
- The** translation of the Sanskrit language is difficult.

3. यदि किसी Subject को Specific (Noun of Noun) कर दिया जाए तो उसके साथ “The” Article का प्रयोग किया जाता हैं ।

Example

- The** history of India is very interesting.
- The** chemistry of this reaction is complex.
- The** geography of Rajasthan is unique.

Special Rule of Article

Rule 1: Name Related

1. किसी व्यक्ति के नाम (Name) के साथ Article का प्रयोग नहीं किया जाता हैं ।

2. यदि वाक्य में Mr./Mrs./Miss के साथ Surname दिया गया हो तो इसके पहले a/an का प्रयोग किया जाता हैं ।

➤ **Structure:** a/an + Mr./Mrs./Miss + Surname

Example

- A Mr. Sharma wants to meet you.
- I met **a** Miss Roy yesterday.

3. यदि किसी Noun का उपयोग “Proper Adjective” के रूप में किया जाए तो उसके a/an का प्रयोग किया जाता हैं ।

Example

- He is **a** Gandhi of our village.
- She is **a** Lata Mangeshkar in singing.

4. यदि किसी Proper Adjective को Quality (Superlative) कर दिया जाए तो “The” Article का प्रयोग किया जाता हैं ।

Example

- He is **the** Gandhi of our town.

- b. She is **the** Lata Mangeshkar of our school.
- c. Ahmedabad is trying to become **the** next Manchester of India.

Rule 2: Name of Meal

1. “Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner” के साथ **article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Example

- a. I had lunch.
- b. She eats breakfast at 8.

2. यदि “Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner” के पहले **Adjective** आए तो उसके पहले “a/an” **Article** का प्रयोग किया जाता है।

- **Structure:** a/an + Adjective + Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner

Example

- a. I have taken **a** good lunch.

3. यदि “Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner” को **specific** कर दिया जाए तो “The” का उपयोग किया जाता है

Example

- a. I have taken **the** lunch today.
- b. **The** lunch which I have taken today is super.

Rule 3: यदि “by” का उपयोग **Transportation Medium** के पहले किया जाता है तो **article** का प्रयोग नहीं किया जाता है। परंतु यदि **Noun** को **count** करने की **unit** के पहले **by** का उपयोग होता है तो वहाँ “The” का उपयोग किया जाता है।

Example

- a. I am going to delhi by air.
- b. You have sold apple by the kilo.

Rule 4: Material Noun/ Name of Sports (Games)/ Disease के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

1. यदि **material noun** को यदि **specific** कर दे तो “The” **Article** का उपयोग होता है

Example

- a. **The** ring made of the gold of America.

2. यदि **Name of Sports (Games)** को **specific** कर दिया जाए तो “The” **Article** का उपयोग किया जाता है।

Example

- a. **The** cricket of India is very good at present time.

- b. I am playing cricket.

3. कुछ “Disease” जैसे **Mumps, Measles, Plague** के साथ “The” **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है परन्तु किसी विशेष **sन्दर्भ** में **article** का उपयोग किया जाता है।

Example

- a. Mumps is a contagious disease.

- b. **The** measles outbreak was severe last year.

Rule 5: Blood relation – Father / Mother / Uncle / Aunt etc. में कोई **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है

1. यदि **father/ mother/ sister/ brother** का प्रयोग **उपाधि** के रूप में किया जाया है तो “The” का उपयोग होता है

- The father – Principal (Head)
- The mother – Orphanage head
- The sister – Head of nurse
- The brother – head of criminal society.

Example

- a. **The** mother of the child was very worried about his health.

2. यदि **blood relation specific** कर दिया जाये तो “The” **Article** का उपयोग होता है

Example

- a. **The** brother of Suresh is a nice person ever I met.

Rule 6: Festival / Day / Month / Year / Week के साथ **Article** के use नहीं होता है

1. यदि **festival name** के बाद **festival** शब्द जुड़ा हो तो “The” **Article** का प्रयोग होता है

(The + Festival name + festival)

Example

- a. I am celebrating Diwali.

- b. I am celebrating **the** Diwali festival.

2. यदि **Date/ month/ year / week** को **specific** कर दिया जाये तो **“The”** का प्रयोग किया जाता है।

Example

- a. **The** date of the meeting is confirmed as 25th March.
- b. **The** year 2020 was marked by the pandemic.

Rule 7: Superlative degree के साथ हमेशा **“The”** का उपयोग होता है (**The + superlative degree**)

Example

- a. **The** best student in the class received an award.
- b. **The** largest chunk of the bulk drug requirement is met through cheap imports from China.
- c. It is **the** most beautiful flower in the nursery.

1. यदि किसी वाक्य में **“of the two”** हो तो **The + Comparative degree** का उपयोग होता है

Example

- a. Seeta is **the** more beautiful girl of the two sisters.
- b. Of the two sisters, she is **the** better.

2. यदि **prepositional sentence** है तो **“The”** का उपयोग होगा

Example

- a. You will go the higher, you will feel the colder.

Rule 8: University के साथ **‘a’** का use होता है।

1. यदि university के साथ Person या Place का नाम हो तो कोई Article का प्रयोग नहीं होता है।

Example

- a. Dr. Hari Singh gaur university
 - b. The Delhi university
2. कुछ foreign university के साथ The का प्रयोग किया जाता है।

Example

- a. The oxford university,
- b. The Howard university

Rule 9: यदि sentence में किसी person की quality बताई जाती है और दो **quality** के बीच **“and”** का use होता है।

Example

- a. Kalidas was a poet and dramatist.

Rule 10: यदि वाक्य में ‘Home’ word का use किया जाया है तो वहा कोई **article** नहीं आयेगा जबकि **‘House’** के साथ **article use** होता है।

Example

- a. He arrived home after dark.